खबर संक्षेप

कुप्रथा के चलते मासूम की गई जान

उमरिया। सरकार की लाख कोशिशों के बाद भी मैदानी अधिकारी कर्मचारियों ने इस प्रथा पर रोक नहीं लग पा रही है, जिसके कारण जिले का नाम प्रदेश भर में दगना कुप्रथा के लिए दिन दुगनी और रात चौगुनी तरक्की कर रहा है। जिले में यह हाल ही का दूसरा मामला है, जब दागने के कारण नवजात की मौत हुई है, लेकिन कार्यवाही न होने के कारण आज स्थिति और बिगड़ती जा रही है। यह प्रथा सबसे अधिक प्रभावशाली मानपुर विकास खंड में है, जहां के परियोजना अधिकारी और मैदानी कर्मचारियों की लापरवाही सामने आई है, जो ऐसे मामलों को लेकर संवेदनशील नहीं है और न ही वह ऐसे मामले होने के बाद अपने वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी देना उचित नही समझते हैं। मानपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कठार निवासी 3 माह की दुधमुंही बच्ची को निमोनिया के कारण उसकी ही सगी मां ने गर्म चूड़ियों से कई बार दागा, जिसके कारण उसकी तबीयत बिगड़ गई, जिसे परिजन लेकर मानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से उसे शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया, जिसका इलाज किया गया, लेकिन बीते 8 जनवरी की दोपहर बेटी की मौत हो गई। घटना के बाद रोती बिलखती मां और उसके पिता ने शहडोल मेडिकल कालेज में शव वाहन के लिए मिन्नतें तो की मगर वाहन नहीं मिल सका। पैसों की तंगहाली ने बैगा परिवार को प्रायवेट वाहन लेने की इजाजत नहीं दी और फिर वह मोटरसाइकिल से ही मृत बिटिया का शव रखकर शहडोल से उमरिया जिले के कठार गांव के लिए निकल पड़े और करीब 2:30 घंटे का सफर तय कर गांव पहुंचे।

ज्योति गर्ग बनीं एसडीओ

शहडोल। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा कुमारी ज्योति गर्ग का चयन अनुविभागीय अधिकारी गृह निर्माण विभाग में हुआ है, ज्योति गर्ग की प्रारंभिक शिक्षा महर्षि विद्या मंदिर शहडोल से हुई है, शहडोल से पढ़ी यह छात्रा माता-पिता के साथ शिक्षण संस्थान एवं जिले का नाम रोशन किया है, ज्योति गर्ग के पिता कौशलेंद्र शरण गर्ग लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग में उपयंत्री के पद पर पदस्थ हैं एवं माता श्रीमती मालती गर्ग हाउसवाइफ है। ज्योति ने अपने इस सफलता के पीछे माता-पिता गुरु के साथ शुभचिंतकों को प्रेरित करने का श्रेय बताया है।

कार्यालय में निलंबित डीपीसी ने जड़ा ताला

उमरिया। राज्य शिक्षा केंद्र के जिला परियोजना समन्वयक सुमिता दत्ता को लापरवाही के चलते संभागीय कमिश्नर ने निलंबित कर दिया था, जिसके बाद डीपीसी का प्रभार सुशील मिश्रा का सौंपा गया है, निलंबित डीपीसी सुमिता दत्ता ने नए डीपीसी अपने कार्यालय का प्रभार देने के बजाय कार्यालय में ताला जड़ दिया। निलंबित डीपीसी ने हठधर्मिता अपनाते हुए कार्यालय की महत्वपूर्ण फाइलों को अपने चैंबर में लॉक करके रखा है, बुधवार को निलंबित डीपीसी कार्यालय पहुंची और कक्ष से कुछ फाइलों को निकालकर बाबू को सौंप दिया है लेकिन कई गंभीर प्रकरणों की फाइल को अभी भी अपने कब्जे में लिए हुए हैं। जिला शिक्षा केंद्र की निलंबित डीपीसी कार्यालय में जिन फाइलों को छुपाए हुए हैं ,उनमें कई गहरे राज दफन है अगर वो फाइल बाहर आ गई तो डीपीसी समेत भ्रष्टाचार में संलिप्त कई करीबी अधिकारियों को पोल-पट्टी खुल जायेगी और सूत्र तो यहां तक बताते हैं की डीपीसी के बाद के एक और पद वाले सेवा से भी पृथक किए जा सकते हैं। उमरिया कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य ने डीपीसी के निलंबन के बाद कार्यालय का प्रभार वरिष्ठता के आधार पर हेड मास्टर सुशील मिश्रा को सौंपा है, जबकि मूल पद मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पास ही रहेगा, निलंबित डीपीसी सुमिता का कार्यव्यवहार कलेक्टर के फरमान को ठेंगा दिखाने जैसा है।

सरकारी अस्पताल में विधायक के चालक से ऑपरेशन के नाम पर वसूली

पूर्व मंत्री, 6 बार भाजपा के विधायक, फिर भी चालक को देनी पड़ी रिश्वत

शिकायत के बाद भी डॉक्टर पर कार्यवाही की जगह सीएस ने बैठाई जांच

जिला चिकित्सालय शहडोल में मची भर्रेशाही और डॉक्टरों का इलाज के लिए रूपया मांगने के दायरे में अब आम आदमी के बाद भाजपा के विधायक भी आ चुके हैं, रविवार को भाजपा के 6 बार विधायक और मंत्री रह चुके जयसिंह मरावी ने अपने चालक शिवा का वार्ड पहुंचकर जब हाल जाना तो, चालक के बताने पर डॉक्टर अपूर्व पाण्डेय के द्वारा इलाज के नाम पर 5 हजार रूपये रिश्वत लेने की शिकायत सीएस से की, सीएस ने कार्यवाही की जगह विधायक की शिकायत को जांच में उलझा दिया।

शहडोल।

जिला चिकित्सालय में सिविल सर्जन की मनमानी और उनके संरक्षण में चिकित्सकों और अन्य स्टॉफ के द्वारा अवैध वसूली, मरीज और उनके परिजनों से अभद्रता अब आम हो चली है, हालात इतने बद्तर हैं कि अवैध वसूली के दायरे में आम आदमी तो दूर, 20 सालों से प्रदेश की सरकार चला रही भारतीय जनता पार्टी के 6 बार विधायक और सरकार में मंत्री रहे संभाग के कद्दावर भाजपा नेता जयसिंह मरावी तक आ चुके हैं। दरअसल जयसिंह मरावी के चालक शिवा यादव बीते दिनों जिला चिकित्सालय में अस्वस्थ्य होकर इलाज कराने पहुंचे थे, जिन्हें सर्जिकल वार्ड में भर्ती कराया गया, यहां उनका इलाज डॉ. अपूर्व पाण्डेय कर रहे थे, डॉक्टर पाण्डेय ने इलाज के नाम पर 5 हजार रूपये की मांग की और अपनी ही सरकार में लाचार हो चुके विधायक के वाहन चालक की मजबूरी का आलम यह रहा कि डॉक्टर को रिश्वत देने के बाद उसका इलाज आगे बढ़ा, हद तो तब हो गई जब रविवार को पूर्व मंत्री जयसिंह मरावी अपने चालक का कुशलक्षेम जानने जिला चिकित्सालय पहुंच और उन्हें इस मामले की जानकारी हुई कि उन्हीं के सरकार के लोकसेवक आमजनता तो दूर, उन्हीं के सारथी से रिश्वत वसूल चुके हैं।

बेअसर रही विधायक की शिकायत

नौकरशाहों की लापरवाही और उनके हौसलों का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि सिविल सर्जन के साथ कुर्सियों में बैठक करने वाले लगभग डॉक्टर इलाज के नाम पर जनता से पैसा वसूल कर रहे हैं और पिछले दरवाजे से दंत चिकित्सक बने सिविल सर्जन अवैध वसूली को संरक्षण दे रहे हैं। रविवार को भाजपा के विधायक ने दंत चिकित्सक से अवैध वसूली की शिकायत की, इसे सिविल सर्जन ने इतनी गंभीरता से लिया कि बुधवार की शाम तक वे किसी नतीजे तक नहीं पहुंचे, मीडिया से चर्चा के दौरान बिना किसी हिचक के सिविल सर्जन कहते हैं कि शिकायत मिली है, नोटिस देकर जवाब मांगा है, लेकिन जवाब किस डॉक्टर से मांगा है, किसने रिश्वत ली थी, यह अभी तक खुद सिविल सर्जन स्पष्ट नहीं कर सके।

लाचार विधायक, बेबस मरीज

अपनी ही 20 सालों की सरकार में शहडोल संभाग ही नहीं, बल्कि प्रदेश के सबसे बुजुर्ग और कद्दावर आदिवासी विधायक आज भी सवर्णो से शोषण का शिकार हो रहे हैं। विधायक की शिकायत और उस पर कोई कार्यवाही न होना, कहीं न कहीं पूरे मामले में सिविल सर्जन की सहभागिता को भी दर्शाता है, सवाल यह उठता है कि जब 6 बार के विधायक और भाजपा सरकार में मंत्री रह चुके कद्दावर आदिवासी नेता के सारथी से जिला चिकित्सालय में अवैध वसूली होती है तो, फिर आम जनता इससे अछूती कैसे रहेगी, रविवार को विधायक की शिकायत के बाद मामला सामने आया, इसके बाद चालक शिवा यादव और उसके परिजनों ने भी मीडिया के समक्ष अपनी बेबसी रखी।

जांच का पुराना कोरम

सिविल सर्जन डॉ. जी.एस. परिहार ने मामला सामने आने के बाद मीडिया को बताया कि सर्जिकल विभाग के डॉक्टरों को नोटिस देकर 48 घंटे में जवाब मांगा है, हालाकि रविवार को शिकायत और बुधवार की देर शाम तक 60 से अधिक का समय हो चुका था, लेकिन अब तक न तो कोई नोटिस का जवाब वापस आया और न ही कोई कार्यवाही या व्यवस्था सुधार सतही तौर पर नजर आई। यह अकेला मामला नहीं जब सिविल सर्जन ने जांच का राग अलाप कर कार्यवाही की जगह कोरम पूरा किया हो, अस्पताल के जीर्णोद्धार में किया गया भ्रष्टाचार, ब्लड बैंक से काला बाजारी, रोगी कल्याण समिति को निर्माण समिति बनाने जैसे कई मामले अभी भी जांच के कोरम में फंसे हुए हैं।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का पूर्व जनपद सदस्य की अगुवाई में हुआ समापन

घुनघुटी। प्रधानमंत्री का सपना है कि 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बने, जिसमें हम सभी का सहयोग बहुत जरूरी है, यह भाव सबके अंदर उत्पन्न होना चाहिए और यह हम सभी की जिम्मेदारी है, सरकार ने सभी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति की है सभी को शुद्ध पानी मिला, जिससे बीमारियों का प्रकोप ना हो इसके लिए नल-जल जैसी योजना सरकार ने बनाई, केंद्र सरकार ने बिना किसी भेदभाव के पाली जनपद की पूर्व जनपद सदस्य दीपा सिंह ने ग्राम रौऊगढ़ एवं खोलखम्हरा में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड आम जनता के लिए गारंटी कार्ड है, प्रधानमंत्री ने 5 लाख रूपए का गारंटी कार्ड प्रदान किया है, यह कार्ड फ्री में इलाज की गारंटी प्रदान करता है, एक समय था जब गंभीर बीमारियों के लिए इलाज करना बहुत मुश्किल हुआ करता था, कई लोगों को बड़ी-बड़ी बीमारियों के कारण जान तक गंवानी पड़ती थी, लेकिन प्रधानमंत्री ने इस बात की चिंता कर आयुष्मान कार्ड योजना बनाई जो गरीब परिवार के लिए सहारा बनी, किसी गरीब व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाना किसी पुन्य से कम नहीं है। किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि योजना, किसान कल्याण योजना के माध्यम से राशि प्रदान की जा रही है, ताकि किसान अपनी खेती किसानी को लाभ का

धंधा बना सके। महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना का लाभ प्रदान किया जा रहा है।

वही कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद सदस्य धूप सिंह ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान कराना है, उन्होंने कहा कि योजनाओं के माध्यम से हितग्राहियों को सरकार आपके द्वारा पहुंचकर लाभान्वित कर रही है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अनेक क्रांतिकारी योजनाओं के माध्यम से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया जा रहा है कार्यक्रम में पूर्व जनपद सदस्य दीपा सिंह, जनपद सदस्य धूप सिंह, सरपंच फुल्ली बाई बैगा, औढेरा सरपंच पुरुषोत्तम सिंह, उप सरपंच रागिनी सिंह, सचिन कुबेर यादव, रोजगार सचिव पुष्पा सिंह, पाली जनपद के अधिकारी-कर्मचारी व गांव के ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

मढीबाग मंदिर का जीर्णोद्धार कराने सौंपा ज्ञापन

कायाकल्प करा पर्यटन स्थल रूप में विकसित करने की मांग

उमरिया।

जिला मुख्यालय से महज 6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पांडव कालीन प्राचीन मढ़ीबाग मंदिर के जीर्णोद्धार कराने एवं मंदिर का कायाकल्प कर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने नगर के युवाओं ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। युवा समाजसेवी राहुल लालवानी ने बताया कि बीते कुछ समय से पुरातत्व विभाग द्वारा सरंक्षित भगवान भोलेनाथ के मढ़ीबाग मंदिर का उचित रख-रखाव व सरंक्षण न होने के कारण मंदिर जर्जर होते जा रहा है, यहां तक कि मंदिर परिसर में विद्युत सप्लाई तक नहीं है, हमने आज जिला प्रशासन को इस बाबत ज्ञापन सौंपकर जल्द से जल्द मंदिर परिसर की ओर ध्यान देने का आग्रह किया है।

ज्ञापन में मंदिर परिसर के कायाकल्प सहित आस पास आकर्षक लाईट बैठने की उचित व्यवस्था परिसर में किचन शेड व सामुदायिक भवन बनवाने एवं सुरक्षा के दृष्टिगत एक चौकीदार नियुक्त करने निवेदन किया गया है। उन्होंने बताया कि उक्त मन्दिर के प्रति मान्यता है कि यह पांडवो द्वारा मात्र एक रात्रि के निर्मित किया गया था उक्त मन्दिर के उचित रखरखाव व सुरक्षा न होने के कारण पूर्व में मंदिर शिखर से अमूल्य मूर्तियां चोरी हो चूंकि हैं एवं वर्तमान में मंदिर में विद्युत सप्लाई तक नही है, यह उचित नही है। प्रशासन इस पर तत्काल संज्ञान ले एवं प्राचीन मन्दिर को सुरक्षित एंव सरंक्षित किया जाए। ज्ञापन सौंपने नगर के युवा शिवभक्त पहुँचे जिनमें प्रमुख रूप से कन्हैया चंदानी, सुमित राजपूत, जितेंद खट्टर, बंटी वाधवानी, नितिन बजाज, सुमित हेमनानी, अजय लालवानी उपस्थित रहे।

धान खरीदी प्रक्रिया में हो रहा किसानों का शोषण

केन्द्र प्रभारी कर रहे मनमानी, अफसर उदासीन बने

शहडोल।

खरीदी केन्द्र में धान का उपार्जन किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए शासन ने शुरू किया था। नागरिक आपूर्ति निगम हर साल यहां अरबों रुपए की खरीदी की जाती है लेकिन अव्यवस्थाएं दिनोदिन बढ़ती ही जा रहीं हैं। यहां शासकीय प्रावधानों का पालन करने की जरूरत नहीं समझी जाती है। खरीदी केन्द्रों के अधिकांश प्रभारी 15-15 वर्षों से कार्यरत हैं इन्हे हटाया नहीं जा रहा है। इन्होने अपनी जड़ें जमा कर शासकीय प्रावधानों को प्रभावित किया है। यहां गुणवत्ता परीक्षण करने के लिए आउट सोर्स कंपनी के 39 सर्वेयर पदस्थ किए गए हैं। लेकिन उनकी जांच पड़ताल और रिपोर्ट की कोई पूछ परख नहीं।

छन्ना नहीं लगा रहे

र्शासन का प्रावधान है कि किसानों से साफ और गुणवत्तापूर्ण सूखी धान खरीदी जाए। इसके लिए केन्द्रो में छन्ना लगाया जाए। हर केन्द्र में छन्ना और पंखे की व्यवस्था की जाए। पूर्व में ऐसी व्यवस्था होती भी थी लेकिन इस बार कहीं व्यवस्था दिखाई नहीं पड़ती। किसानों की धान वारदानों में पलटा कर रख ली जाती है। धान की स्थिति कैसी है, उसमें कितना कचरा है उसकी गुणवत्ता कितनी है इसकी जांच पड़ताल करने की आवश्यकता नहीं समझी जाती है। केन्द्रों की न तो मॉनीटरिंग हो रही है न अधिकारी मौका मुआयना कर रहे हैं।

तौल में भी कर रहे गड़बड़ी

खरीदी केन्द्रो में शासन के निर्धारित प्रावधान के अनुरूप तौल नहीं की जा रही है। यहां भी खरीदी केन्द्रों के प्रभारियों की मनमानी चल रही है। 40 किलो 650 ग्राम शासन की गाइड लाईन है जबकि यहां किसानों से 41 किलो ग्राम लिया जा रहा है। इस संबंध में कई किसानों ने बताया कि यहां साफतौर पर कह दिया जाता है कि अगर 41 किलोग्राम भर्ती करानी है तो ही तौल करेंगे। नहीं तो अपनी धान ले जाओ। किसान अपना शोषण करवाने को विवश रहता है।

ऐसी भी अव्यवस्थांए व्याप्त हैं

8 जनवरी को सिंहपुर धान खरीदी केन्द्र का निरीक्षक द्वारा औचक निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान सफाई व कोडिंग की व्यवस्था नहीं पाई गई। साथ ही किसानों की बोरी से सीधे धान शासकीय बारदानों में पलटी करते पाया गया। जबकि इस कार्य के लिए शासन ने वर्कर व तुलावटी रखने के लिए निर्देश दिए हैं जिनके लिए राशि जारी की जा रही है। जाहिर है कि वर्करों व तुलावटियों का पैसा खरीदी केन्द्रो का अमला डकार जाता है। गोहपारू के पलसऊ में भी यही स्थिति देखी गई, शिकायत यह भी है कि किसानों को परेशान करने के लिए उन्हे जबर्जस्ती खड़ा रखा जाता है जब शाम होने लगती है तो पैसे ले कर उसकी धान ली जाती है। जिला प्रबंधक को लिखित सूचना अनुसार अवगत कराया गया। जेएसओ गोहपारू श्रीमती दीप्ति सिंह द्वारा दूरभाष पर समिति द्वारा शिकायत किये जाने और अवैध पैसे की मांग की शिकायत की गई है।

सहमे से हैं सर्वेयर

खरीदी केन्द्रो में गुणवत्ता की परख करने आए आउट सोर्स सर्वेयर खरीदी केन्द्र प्रभारियों की हेकड़ी और नादिरशाही से सहमे से रहते हैं। इनके हर निर्णय व रिपोर्ट पर केन्द्र प्रभारी आपत्ति जताते हैं और इन्हे धमकाते हैं। प्रशासनिक अमले के सामने सर्वेयरों की ही भ्रामक शिकायतें कर दी जातीं हैं। सर्वेयर अपनी स्वतंत्र राय नहीं रख पाते हैं। खरीदी केन्द्र कुल मिलाकर किसानों का हर तरह से शोषण करने पर आमादा रहते हैं।

कर्मचारियों को मिला बाघ का कंकाल

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में लगभग एक महीना पुराना बाघ का कंकाल पाया गया है। बताया गया है कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में फोर फेज की गणना के लिए कैमरा ट्रैपिंग की जानी है, इसके लिए कैमरा इंस्टॉल करने का काम इन दिनों चल रहा है। बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व के पतौर परिक्षेत्र के चिल्हारी बीट में कैमरा इंस्टॉल करने गए कर्मचारियों ने जंगल में एक गहरी खाई के अंदर बाघ के कंकाल को देखा है। बाघ का कंकाल देखने के बाद इसकी जानकारी वन विभाग के उच्च अधिकारियों को दी गई जिसके बाद अधिकारी मौके पर पहुंच गए। घटना की जानकारी देते हुए डिप्टी फील्ड डायरेक्टर पी.के.वर्मा ने बताया कि जंगल के अंदर आरएफ 421 के कुशहा नाला में एक बाघ का पुराना कंकाल मिलने की जानकारी प्राप्त हुई है। जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल का मेन किया जा रहा है और जांच की जा रही है कि यह घटना कैसे हुई होगी। उन्होंने यह भी बताया कि यह घटना घने

जंगल के अंदर हुई है, जिससे पूरा अनुमान है कि आपसी भिड़ंत में ही बाघ की मौत हुई होगी। बाघ के कंकाल को देखने के बाद यह अनुमान लगाया गया है कि संभवतः वह बहुत कम उम्र का एक शावक था, जिसकी मौत हुई है। मरने वाले बाघ शावक की उम्र एक साल से भी काम आंकी जा रही है। हालांकि इस मामले की पूरी जानकारी आवश्यक जांच के बाद ही सामने आ आएगी। इस पूरे क्षेत्र में कई बाघ सक्रिय हैं जिसकी वजह से जांच करने में भी फिलहाल परेशानी का सामना वन विभाग की टीम को करना पड़ रहा है।

खबर संक्षेप

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत विधायक ने करौंदी टोला में लिया भाग

उमरिया। विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वर्ष 2047 तक विकसित भारत का संकल्पत पूरा करने का संदेश गांव गांव तक पहुंच रही है। प्रधानमंत्री व्दारा किसान, महिला, गरीब तथा युवाओ के विकास के लिये लगातार योजनाये बनाकर काम किये जा रहे है। यात्रा के माध्यम से शासन के विभिन्न योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित भी किया जा रहा है। यह विचार मानपुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक सुश्री मीना सिंह ने गत दिवस करौंदी टोला मे आयोजित विकास संकल्प यात्रा शिविर के दौरान व्यक्त किये। उन्होंने कन्या पूजन के साथ शिविर का शुभारंभ किया तथा विभिन्न निर्माण कार्यो का भूमिपूजन भी किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागो के अधिकारी तथा बड़ी संख्या मे ग्रामीण जनो ने भाग लिया।

जिले की तीनों जनपद पंचायतों की ग्राम पंचायतों में शिविर संपन्न

उमरिया। जिले की मानपुर जनपद पंचायत की हिरौली, पलझा, कारौदी टोला, चंदवार, करकेली जनपद पंचायत की सिंहपुर, धनवाही, अंचला, ठूठाकुदरी तथा पाली जनपद पंचायत की भिम्मा डोगरी, पोडिया में आयोजित शिविरों में 8087 ग्रामीण जन शामिल हुए। शिविर के दौरान 1122 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण, 204 लोगों की टीबी की जांच तथा 317 लोगों का सिकल सेल का परीक्षण किया गया। शिविर में 10 स्व सहायता समूहों के व्दारा अपनी योजनाओं से संबंधित स्टाल लगाए गए थे। प्राकृतिक खेती करने वाले 10 किसानो ने अपने अनुभव साझा किए। 7 अभिनंदन पत्र का वितरण किया गया। मेरी कहानी मेरी जुबानी के तहत 33 हितग्राहियों ने अपने स्वरोजगार की गतिविधियों की जानकारी दी। धरती करे पुकार के तहत 10 कार्यक्रम आयोजित किये गये। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित कार्यक्रम के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, राजस्व विभाग, मध्यप्रदेश जल निगम, स्वास्थ्य विभाग, उज्जवला योजना, जन जातीय कार्य विभाग, आयुष विभाग, उद्यानिकी विभाग, पशु पालन विभाग, उद्योग विभाग एवं स्टेट बैंक द्वारा बीमा योजना से सम्बंधित स्टाल लगाए गए एवं योजनाओ की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कृषि विभाग व्दारा ड्रोन का प्रदर्शन किया गया।

शा. रणविजय महाविद्यालय में आयोजित हुआ मतदाता जागरूकता निबंध प्रतियोगिता

उमरिया। आगामी लोकसभा निर्वाचन में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने तथा युवा मतदाताओं के नाम मतदाता सूची मे जोड़ने के साथ ही एम्बेसडर के रूप मे कार्य करने के लिये प्रेरित करने हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी बुद्धेश कुमार वैद्य तथा उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिवगोविंद मरकाम के मार्गदर्शन में शा.रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय में जिला स्तरीय मतदाता जागरूकता निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी डा़.महेन्द्र सिंह गौर, आदर्श महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अभय पाण्डेय, डॉ. महेशानंन्द स्वामी सहित अन्य स्टाफ उपस्थित रहें।

बिना बताये गायब हुआ दत्तक पुत्र

कोतमा। थाना अंतर्गत बगैहाटोला निवासी बृजेश कुमार मिश्रा ने 8 जनवरी को थाने में शिकायत दर्ज करवाई कि उसके दत्तक पिता भैया लाल तिवारी 46 वर्ष निवासी कुहका थाना रामनगर जो उनके पास ही रहते थे 30 दिसंबर को दोपहर 2 बजे घर से बिना बताए कहीं चले गए हैं उनका मोबाइल भी बंद है।

खाद्य सुरक्षा मानकों की नहीं हो रही जांच पड़ताल, अमला सुस्त

चाट के ठेलों में गंदा पानी, नाश्ते में भिनकती है मक्खियां

शहडोल। खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने और जनस्वास्थ्य की रक्षा करने शासन ने भले ही खाद्य एवं औषधि विभाग नाम का एक विभाग खोल रखा हो लेकिन यह विभाग कहां है और क्या करता है यह शायद ही किसी को जानकारी होगी। होटलों में गंदगी, चाट फुल्की के ठेलों में गंदगी फैली पड़ी है, दूकानों में मिलावट खोरी जमकर चल रही है, लेकिन इस विभाग के अमले को कोई सरोकार नहीं है। जबकि नियमतः खाद्य सामग्रियों से जुड़े व्यवसायों की निरंतर मॉनीटरिंग की जानी चाहिए और कार्रवाइयां भी होती रहनी चाहिए। इस विभाग के कर्मचारी जैसे तैसे कु छ गावं खेड़ों की दूकानों की जांच कर अपने टारगेट को पूरा कर लेते हैं और छुट्टी पा लेते हैं।

खुले में बिक रहे नाश्ते के सामान

संभाग मुख्यालय शहडोल नगर की होटलों में नाश्ते के सामान खुले में रखकर बेचा जाता है, जिनमें मक्खियां भिनभिनाती रहतीं हैं, इन्हे ही ग्राहकों के सामने परोस दिया जाता है। होटलों में की जा रही लापरवाही को देखकर ही ज्ञात होता है कि जनस्वास्थ्य रक्षक विभाग कभी भी होटलों में दविश डालकर होटल वालों को तकलीफ नहीं देता है। सुरक्षा मानकों का सामान्य सा पालन भी नहीं किया जाता है कि सामानों को खुले में रखने की बजाय उसे कम से कम ढांक कर रखा जाए। कांच के अंदर व घनी जालियों के अंदर सामान रखा जा सकता है। लेकिन नगर के अधिकांश होटलों में इतनी भी एहतियात नहीं बरती जाती है। चौपाटी में चाट फुल्की के ठेलों की भीड़ लगी रहती है। यहां करीब 50 ठेले लगाए जाते हैं। इन ठेलों में स्वच्छता की ओर ध्यान नहीं दिया जाता है। जूठे डिस्पोजल ठेलों के आसपास फेके जाते हैं। घटिया चाट फुल्की तेज मसालों वाले परोस कर ग्राहकों को आकर्षित करने का प्रयास करते हैं। इनकी सामग्री की गुणवत्ता की कभी जांच नहीं की जाती है। बताया जाता है कि लोग इनके यहां की चाट फुल्की खाकर पेट के रोगी बन रहे हैं। अगर समय पर कार्रवाई होती रहे तो सामानो की स्वच्छता व शुद्धता की जांच पड़ताल होती रहेगी और लोग रोगी होने से बच सकते हैं।

गंदे पानी का उपयोग

होटलों में सर्वाधिक गंदगी पेयजल में है, जिस टंकी का पानी परोसा जाता है वह टंकी या ड्रम महीने में कभी एक दो बार धोया जाता होगा, उनमें काई जमा रहती है। यही पानी बिना छाने परोसा जाता है, आज कल तो ट्रे में जग व गिलासें रख दी जातीं है ग्राहक अपने से पानी लेकर पीता है। जूठी गिलास फिर ट्रे में रख देता है। चाट फुल्की वालों के यहां तो और भी गजब है, एक मैले कुचैले प्लास्टिक के डिब्बे में पानी भरा रहता है। उसके ऊपर एक गिलास रख दी जाती है उसी से लोग पानी पीते रहते हैं। तुर्रा यह दिया जाता है कि लोग ऊपर से पानी पीते हैं। उस बीच न जाने कितने लोग मुह लगाकर गिलास पानी पीकर चले जाते हैं। कई बार गिलास डिब्बे में गिर जाती है और उसे हांथ डालकर निकाल लिया जाता है फिर उसी से पानी पिया जाता है। कितनी गंदगी और संक्रमण परोस रहे हैं यह समझा ही जा सकता है। लोग पैसा खर्च कर बीमारियां मोल लेते हैं।

बड़े भंडारों में गंदगी की भरमार

नियमतः ऐसे स्थल जहां बड़े पैमाने पर खान पान का सामान बनाया जाता है उन्हे सुरक्षा मानको से संबंधित लायसेंस लिया जाना चाहिए। जैसे अस्पताल, जिला जेल, हॉस्टल, स्कूल आदि जैसे स्थलों में सैकड़ों लोगों के लिए एक बार में खाना बनता है, यहां स्वच्छता व शुद्धता के लिए सुरक्षा मानकों की जानकारी व लायसेंस लिया जाना चाहिए लेकिन किसी के पास शायद ही लायसेंस होगा। अस्पताल में रोगियों के लिए जिस रसोई में खाना बनता है वहां की सफाई की हालत और खाना बनाए जाने के तरीके का जायजा लिया जा सकता है। ज्ञातव्य है कि यहां एक बार में चार सौ से भी अधिक लोगों का खाना बनाया जाता है।

मानपुर जनपद पंचायत के ग्राम कोडार में आयोजित हुई लाडली बहना योजना कार्यक्रम

लाडली बहना योजना से आर्थिक रूप से सशक्त हो रही है महिलाएं : कलेक्टर

उमरिया। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 1576 करोड़ की राशि एवं 341 करोड की पेंशन व आर्थिक सहायता का अन्तरण किया गया। जिसका सीधा प्रसारण कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत की उपस्थिति में मानपुर जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत कोडार में देखा एवं सुना गया। इस अवसर पर जिला समन्वयक ग्रामीण आजीविका मिशन चंद्र भान सिंह, परियोजना अधिकारी राज नारायण सिंह, सरपंच शरण बाई बैगा, सचिव, रोजगार सहायक, स्व सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के संचालन से महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हुई है। उन्होंने कहा कि योजनाओ का लाभ ले, यदि कोई लाभ लेने से वंचित रह गया है तो वे रोजगार सहायक एवं सचिव को जानकारी दे। उन्होंने सचिव, रोजगार सहायक को निर्देशित किया कि वे ग्रामीणों की समस्या सुनकर उनका निराकरण करे। पात्रता एवं अपात्रता का परीक्षण कर लें। कलेक्टर ने बताया कि आदिवासी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री जन मन योजना प्रारंभ की जा रही है। योजना के तहत समस्त बैगा परिवार को शासन की समस्त योजनाओं का लाभ दिया जाएगा, ताकि उनका जीवन स्तर ऊंचा उठ सके। सीईओ जिला पंचायत इला तिवारी ने कहा कि लाड़ली बहना योजना के महिलाओं का सशक्तिकरण हुआ है। महिलाओं के सशक्तिकरण होने से ग्राम, जिला, समाज का सशक्तिकरण होता है। घर के छोटे-मोटे खर्च महिलाएं स्वयं उठा रही है। सरकार ने जन्म से लेकर मृत्यु तक के योजनाओं का संचालन किया है। विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं कि जानकारी देने के साथ ही उन्हें योजनाओं का लाभ वितरित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने 1 करोड 29 लाख लाडली बहनों को खातों में 1576 करोड रूपये अंतरित किये

महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के माध्यम से जिले के 1 लाख 12 हजार लाडली बहनों के खातों में 14 करोड रूपये अंतरित किये

उमरिया। महिला सशक्तिकरण एवं युवा उर्जा पर केंद्रित मकर संक्राति उत्सव का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल से राज्य स्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने सिंगल क्लिक के माध्यम से लाडली बहना योजनान्तर्गत प्रदेश की 1 करोड 29 लाख बहनो के खातो में 1576 करोड रूपये की सहायता राशि अंतरित की। इसी तरह पेंशन योजना के 56 लाख हितग्राहियो के खातो में 341 करोड रूपये की आर्थिक सहायता का अंतरण सिंगल क्लिक के माध्यम से मुख्यमंत्री व्दारा किया गया। उमरिया जिले में 1 लाख 12 हजार लाडली बहनो के खाते में 14 करोड रूपये की राशि अंतरित की गई। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन बांधवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक शिवनारायण सिंह के मुख्य आतिथ्य में सामुदायिक भवन में किया गया। उन्होंने कन्या पूजन तथा दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर धनुषधारी सिंह, संजय तिवारी, दिव्यप्रकाश गौतम, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास मनमोहन सिंह कुशराम, सीएमचओ डॉ. आर. के. मेहरा, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. महेन्द्र सिंह गौर, महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र दिनेश मर्सकोले, नगर पालिका के पार्षद, गणमान्य नागरिक, हितग्राही तथा विभागीय अमला उपस्थित रहा। विधायक शिवनारायण सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृव में प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। डबल इंजन की सरकार युवाओ, महिलाओं, गरीबों तथा किसानो के लिये योजनायें बनाकर उन्हें बढ़ने के नये अवसर प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार व्दारा लाडली बहनो के खातें में 1250 रूपये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंगल क्लिक से अंतरित किये है। अब प्रदेश सरकार महिलाओ को आत्म निर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। इस अवसर पर उन्होंने जिलावासियो को मकर संक्राति की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम को धनुषधारी सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन सुशील मिश्रा व्दारा किया गया।

जनसुनवाई मे पीड़ितों ने सुनाई व्यथा

पटवारी पर रिश्वत मांगने, बैंक प्रबंधक द्वारा गलत आहरण की शिकायत

अनूपपुर। ग्राम सकरिया की भूमि का नक्सा, तर्मीम, सीमांकन व नामांत्रण के नाम पर सकरिया पटवारी द्वारा 30 हजार रिश्वत की मांग किए जाने की शिकायत पुरानी बस्ती निवासी कुन्नू गड़ारी पुत्र चिड्डा गड़ारी ने करते बताया कि उसकी भूमि का नक्सा, तर्मीम किए जाने का ओदश 23 सितम्बर 2017 को पारित हुआ था, जिसे पटवारी द्वारा आज तक कम्प्यूटर में नहीं चढ़ाया गया और पूछने पर रूपयों की मांग की जाती है, ग्राम सकरिया की भूमि का सीमांकन आदि 17 फरवरी 2021 को लगा था, जिसका सीमांकन पटवारी द्वारा आज तक नही किया गया तथा रुपए नही देने पर सीमांकन करने से मना कर दिया गया। इतना ही नही 14 अप्रैल 2022 को न्यायालय के आदेश पर अपने जमीन का विभाजन कर अपने नाती को दिए जाने के आदेश की कॉपी लेकर नामांत्रण दर्ज करवाने पटवारी के पास जाने पर टालमटोल करते हुए फिर से रूपयों की मांग की गई। जिस पर प्रार्थी ने सकरिया पटवारी पर कार्यवाही किए जाने की मांग की गई है। 9 जनवरी मंगलवार को संयुक्त कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में आयोजित जनसुनवाई के दौरान आवेदक ने संयुक्त कलेक्टर दिलीप पांडेय को बताई। जनसुनवाई में जिले भर से 80 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन लेकर पहुंचे आवेदकों की समस्याएं सुनते हुए उनके समुचित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान विभिन्न विभागों के जिलाधिकारी उपस्थित रहे। तहसील अनूपपुर के ग्राम कांसा निवासी गोविन्द प्रसाद पटेल ने शासकीय हाईस्कूल कांसा में भृत्य के पद पर भर्ती किए जाने, तहसील अनूपपुर के ग्राम पयारी नं. 1 निवासी रुकमणी प्रजापति ने अति गरीबी का राशन कार्ड बनवाए जाने, विकासखंड जैतहरी के ग्राम कोलमी निवासी दुर्गा प्रसाद काछी ने जल जीवन मिषन अंतर्गत नल-जल योजना में लापरवाही बरते जाने, वार्ड नं. 5 जैतहरी निवासी तिजिया बाई प्रजापति ने पट्टे की भूमि पर दबंगों द्वारा जबरन कब्जा किए जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किए। ग्राम मेड़ियारास निवासी नरेन्द्र पटेल ने म.प्र. ग्रामीण बैंक शाखा मेड़ियारास के शाखा प्रबंधक पर मनमाने तरीके से आहरण किए जाने की शिकायत दर्ज करवाई। जहां उसने बताया कि 81 वर्षीय नानबाई पटेल का खाता म.प्र. ग्रामीण बैंक शाखा मेड़ियारास में है। जिस पर उसके खाते में जमा राशि का आहरण करने पर शाखा प्रबंधक द्वारा अनावश्यक परेशान किया जाता है। खाता में पर्याप्त पैसा होने के बाद भी शाखा प्रबंधक द्वारा मनमाने तरीके से राशि का आहरण करवाया गया, जहां राशि पर्याप्त नही होने प्रार्थिया अपना इलाज समय पर नही करा सकी। आये दिन शाखा प्रबंधक अपनी मनमानी करते हुए शाखा में नगद राशि नही होने की बात कहते हुए प्रार्थिया को परेशान करने बैंक के चक्कर कटवा रहा है। जिस पर शाखा प्रबंधक द्वारा अनावश्यक परेशान किये जाने पर कार्यवाही की मांग की गई है।

हम सब एक हैं का लगा नारा, ठेका मजदूरों के लिये संघर्ष का एलान

जमुना कोतमा क्षेत्र में एटक की बैठक में गुटबाजी समाप्त

जमुना/बदरा। विगत दिनों जमुना-कोतमा क्षेत्र के एटक युनियन मे कार्यकतार्ओं में काफी मतभेद हो गए थे आठ जनवरी को एटक के केंद्रीय महामंत्री कामरेड हरिद्वार सिंह एवं केंद्रीय अध्यक्ष कामरेड अजय विश्वकर्मा तथा कामरेड राजेश कुमार शर्मा क्षेत्रीय सचिव सोहागपुर क्षेत्र की उपस्थिति में क्षेत्रीय समीति की बैठक कामरेड राजकुमार शर्मा की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। सर्वप्रथम क्षेत्रीय सचिव कॉमरेड लालमन सिंह ने नेताओं का नव वर्ष में स्वागत किया और संगठन के संबंध में संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत किया। केंद्रीय महामंत्री कामरेड हरिद्वार सिंह ने सबकी बातें सुनने के बाद संगठन के सम्बन्ध में विस्तार से दिशा निर्देश दिया उन्होंने कहा एकताबद्घ होकर के संघर्ष करें तभी हम आगे बढ़ेंगे अनुशासन संगठन की जान है किसी भी व्यक्ति को अनुशासनहीनता करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। ठेका मजदूरों की लड़ाई प्राथमिकता के आधार पर लड़नी है जिस प्रकार से विश्रामपुर क्षेत्र के एटक के साथियों ने ठेकेदार से लड़ाई कर न केवल एच पी सी वेज का भुगतान कराया बल्कि पिछले दिनों का 6 लाख रुपया एरियर्स का भुगतान कराया वैसे ही सभी क्षेत्रों मे सफलता हासिल करनी है। अपने उद्बोधन में केंद्रीय अध्यक्ष कामरेड अजय विश्वकर्मा ने विश्रामपुर क्षेत्र में 20 दिसंबर को हुए सम्मेलन का जिÞक्र करते हुए कहा कि कोयला मजदूरों ने चंदा इकट्ठा कर क्षेत्रीय सम्मेलन कराया है एक मिसाल है 1000 लोगों की विशाल वाहन रैली पाँच सौ से ज्यादा कार्यकर्ता लाल टी शर्ट पहने हुए थे। कामरेड राजेश शर्मा ने संगठन को मजबूत करने का दिशा निर्देश दिया सर्व सम्मति चर्चा उपरांत हम सब एक हैं के नारे के साथ उपस्थित 70 कार्यकर्ताओ ने एक होकर संगठन को आगे बढाने का संकल्प लिये। कार्यकर्ताओ ने कहा कि जमुना कोतमा क्षेत्र में भी सम्मेलन के लिये चंदा इकट्ठा किया यूनियन के फंड से सम्मेलन नहीं होगा यही से जमुना कोतमा क्षेत्र में यूनियन के एकता का संदेश सभी क्षेत्रों में गूंजेंगी बैठक के अन्त में कामरेड राजकुमार शर्मा ने बेहतर मीटिंग के लिए कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए सभा समाप्ति की घोषणा की।

थम नहीं रहा मनरेगा के कार्यों में मशीनों का प्रयोग

ग्रापं चोरभठी उड़ा रहा शासन के निर्देशों का माखौल

अनूपपुर। जिले में मनरेगा के तहत स्वीकृत कार्यो को मशीनों के माध्यम से कराए जाने का सिलसिला लगातार जारी है जिला और जनपद पंचायतों के जनप्रतिनिधि व अधिकारी बदलते रहे है लेकिन मनरेगा से स्वीकृत कार्यों मर मशीनों के इस्तेमाल पर रोक लगाने का साहस अब तक कोई नही दिखा पाया है या यूं कहें कि मजदूरी को उनका वाजिब हक दिलाने की इच्छा शक्ति ही जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों में जागृत नही हो पाई है। ताजा मामला जैतहरी जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत चोरभटी का है जहाँ सीसी रोड निर्माण से पूर्व मिट्टी हटाने के काम में जेसीबी का प्रयोग किया जाकर मानव श्रम कार्य दिवस का नुकसान किया जा रहा है। इसके पूर्व भी जेसीबी का प्रयोग कर लघु तालाब का निर्माण कर व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार किया गया था। ज्ञात हो कि हाल ही में ग्राम पंचायत चोरभठी में मनरेगा से स्वीकृत सीसी रोड का निर्माण किया जा रहा है। निर्माण कार्य मोतीलाल यादव के घर से मुख्य सड़क पहुंच मार्ग तक किया जा रहा है। जिसमें जेसीबी का प्रयोग कर मिट्टी का खुदाई कर करवाया जाकर मानव श्रम कार्य दिवस का नुकसान किया जा रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि जनपद पंचायत जैतहरी के जिम्मेदार अधिकारी मशीनों का प्रयोग के लिए खुली छूट दे रखे हैं।

मनरेगा कानून का खुला उल्लंघन

मनरेगा के निर्देशिका के अध्याय 7 में यह प्रावधान है कि मनरेगा के कार्य में मशीनों का प्रयोग पूर्णतया वर्जित किया गया है। इसके बावजूद भी अंधाधुंध मशीनों का प्रयोग कर मानव श्रम कार्य दिवस का नुकसान किया जा रहा है। जिसके कारण मजदूर पलायन करने को मजबूर हैं।

इनका कहना है

मनरेगा के कार्यो में पंचायत के द्वारा जेसीबी का उपयोग नही किया गया है, जहाँ पर जेसीबी के उपयोग की जानकारी आप दे रहे है वह निजी रूप से घर के सामने की मिट्टी निकलवाने के लिए घर मालिक द्वारा लगवाई गई थी।

रामगणेश वस्त्रकार, सचिव
ग्राम पंचायत चोरभठी

समय पर दायित्वो का निर्वाहन नहीं करने वाले अधिकारियों को लगाई फटकार

उमरिया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत इला तिवारी व्दारा सर्व शिक्षा अभियान के तहत जिला शिक्षा केंन्द्र व्दारा संचालित गतिविधियो की विस्तार से समीक्षा की गई तथा निर्धारित समयावधि में दायित्वो का निर्वाहन नही करने वाले अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये गये। बैठक में फैकेल्टी डाईट सुशील मिश्रा, प्रोग्रामर राम प्रमोद पाण्डेय, एपीसी, शेख गफ्फार, लक्ष्मी पटेल, गोपाल प्रसाद गोयल, राकेश निगम, जिला सह समन्वयक संतोष कुमार गौतम, निपुण भारत समन्व्यक विवेक कुमार उपस्थित रहें। बैठक में पाया गया कि एफएलएन की पुस्तकें पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं कराई गई है। एपीसी ईएण्डआर को सीईओ जिला पंचायत के माध्यम से पत्र भेजने के निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि राज्य शिक्षा केन्द्र के निर्देश के अनुरूप ही मानिटरिंग की जायें। मानीटरिंगकर्ता व्दारा डाटा एपीसी अकादमी व्दारा मानीटर की जाये सभी योजनाओ के डाटा भी अवाश्यक रूप से उपलबध कराने के निर्देश दिये गये रिजल्टो के लिये चिन्हित स्कूल तथा छात्रावासो को लक्ष्य बनाया जाये। विशेष परीक्षाओ जेएनव्ही परीक्षा, एनएमएमएस, ओल्पीयार्ड एक्सीलेंस, श्रमोदय आदि की परीक्षा मे छात्रावास में रहने वाले शत-प्रतिशत विद्यार्थियो की सहभागिता सुनिश्चित की जायें। अनमैपड बच्चो की जानकारी तत्काल दी जाये तथा शाला त्यागी बच्चों की जानकारी बीआरसी से नही प्राप्ति होने पर उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाये। वर्ष 2019-20 में जिले के 5 स्कूलो के आइटीई फीस के लिये राज्य शिक्षा केन्द्र को पत्र लिखा जाए। प्रत्येक छात्रावास में क्रय समिति, प्रबंधन समिति कर गठन किया जाये तथा पारदर्शिता हेतु कैश बुक लेजर एवं अन्य पंजीयों के संधारण हेतु एपीसी जेंण्डर को निर्देशित किया गया है। सीएमचओ के सहयोग से छात्रावासो में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर प्रतिमाह आयोजित किये जाये। प्रत्येक हास्टल मे प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था एपीसी जेंण्डर सुनिश्चित करायेंगे। एफएलएन मानिटरिंग की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की गई तथा बीआरसी पाली को नोटिस देने के निर्देश दिये गये। बीएसी के प्रतिनियुक्ति की फाईल स्थापना शाखा से संचालित कराने के निर्देश दिये गये। अंत में सीईओ जिला पंचायत व्दारा संपूर्ण स्टाफ को पूरे निष्ठा एवं ईमानदारी से काम करते हुये आगामी दो महीनो मे बेहतर परिणाम देने के निर्देश भी दिये गये।

लकड़ी माफिया रहे निगल, कोयलांचल के पुराने जंगल

दिनदहाड़े कुल्हाड़ी और मशीनों से कट रहे पेड़ों पर नहीं कोई अंकुश

शहडोल के बुढ़ार वन परिक्षेत्र अंतर्गत के बंगवार बीट में आसपास के जंगलों में पेड़ों की कटाई बदस्तूर जारी है, एक तरफ जहां कोयला खनन ने क्षेत्र के जंगल को लील लिया है वहीं दूसरी तरफ लकड़ी चोर और छुटपुट वन माफिया जंगल को सफाचट कर रहे हैं। यहां तक कि नाबालिग भी दिनदहाड़े पेड़ों की अवैध कटाई कर के आराम से लकड़ी घर ले जा रहे हैं।

धनपुरी।

विभाग के जमीनी अमले को सूचना मिलती है तो इनका सबसे पहला बहाना यही होता है कि लकड़ी की कटाई सिर्फ राजस्व क्षेत्र में हो रही है। मालुम हो कि शहडोल के कोयलांचल में सिर्फ बंगवार, सरईकापा, करकटी के पुराने जंगल बचे हुए हैं, जिन्हें कोयलांचल का फेफड़ा भी कहा जाता है। इन्ही जंगलों में मौजूद पेड़ों से लोगों को सांस लेने के लिए स्वच्छ वायु मिलती है लेकिन उन्हें भी नेस्तनाबूद किया जा रहा है।

ठूंठों में झलक रही मुस्तैदी

यदि मान भी लिया जाए कि बुढ़ार वन अमला वनों की सुरक्षा में हर समय मुस्तैद रहता है, वनों की सुरक्षा के हर संभव उपाय किए जा रहे हैं शान द्वारा वनों की सुरक्षा के लिए वह की जाने वाली राशि व्यर्थ खर्च नहीं हो रही है तो फिर रिजर्व फारेस्ट में बाकायदा कुल्हाड़ी और आरा मशीनों से कटे पेड़ के ठूंठ और साइकिल में लद के जाते पेड़ों की लकड़ियां, वन अमले की किस मुस्तैदी की गवाही दे रही हैं।

जानकारी पर छूट रहा पसीना

वन्य प्राणियों और वन परिक्षेत्रों में अवैध कटाई, भूस्खलन की कुछ लिखित शिकायतें प्रमाणित छायाप्रतियों के साथ हुई हैं, प्रधान मुख्य संरक्षक मध्यप्रदेश शासन ने जांच के आदेश भी दिए, ऊपरी तौर पर दिखावटी जांच भी की गई लेकिन जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने या संबंधित शिकायतकर्ता को देने में डीएफओ, एसडीओ और रेंजर के पसीने छूट रहे हैं, आखिर क्यों?

आरोपित किया गया है कि बीते 2-3 मर्तबे से बुढ़ार वन परिक्षेत्र में जो भी परिक्षेत्र अधिकारी आते हैं, वें सभी यह चाहते हैं कि जैसे-तैसे उक्त शिकायत को अटका कर शिकायतकर्ता को अपने रहने तक बहलाए रखें! हमारी जान बची रहे, हमारे बाद जो रेंजर आएगा वो जाने। शासन की नौकरी करते हुए आरोपियों की 'हुकुम उदूली' आखिर कब तक?

नहीं बनी वन समिति

गौरतलब है कि बुढ़ार वन परिक्षेत्र के बेम्हौरी बीट क्षेत्र में वर्षों से नई वन समिति बनाने की मांग की जा रही है लेकिन अधिकारियों के कान में जूं तक नहीं रेंग रहा, वहीं लोगों का कहना है कि आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण अक्सर बीट गार्ड या क्षेत्रीय स्तर के अधिकारी भी आदिवासी समुदाय से आते हैं ऐसे में अधिकारी और क्षेत्र के आम आदिवासियों को बहला-फुसलाकर वन समिति के नाम पर वर्षों से गड़बड़ियां की जा रही है, यहां तक कि बेम्हौरी के जंगल दफाई में लाखों रुपए कि कीमत की वन भूमि में अवैध कब्जा किया गया है, सूत्रों की मानें तो यह सब स्थानीय अधिकारियों एवं कथित वन समिति के मिलीभगत से ही संभव हो पाया है? जिसकी निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है।

खंडहर वन चौकी

बुढ़ार वन विभाग अन्तर्गत ग्राम पंचायत बेम्हौरी मे दशकों पहले बनाई गई जंगल चौकी जो विभागीय देखरेख एवं विभागीय कर्मचारी नहीं होने से वन चौकी खंडहर हो चुकी है। चौकी का खिड़की दरवाजा चोर ले गए और चौकी की जमीन अतिक्रमणकारियों की जद में है।

इनका कहना है

मैं बीते दिन भोपाल से आ गई हुं, अब शिकायतों के निराकरण/जांच संबंधित फाइल मंगा के जल्द ही देखती हुं।

श्रद्धा पन्द्रे
डीएफओ,
दक्षिण वन मण्डल शहडोल

खबर संक्षेप

विवेक एसडीओ बनेंगे

रीवा। शासकीय इंजीनिरिंग महाविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग मे स्नातक विवेक तिवारी का चयन राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा के माध्यम से एस.डी.ओ. पद पर हो गया है, विवेक तिवारी वर्तमान मे मध्य प्रदेश गृह निर्माण मंडल रीवा मे उपयंत्री के पद पर सेवारत हैं, उन्होने यह सफलता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में तीसरा स्थान प्राप्त कर अर्जिक की हैं। विवेक तिवारी ग्राम कपसा के ज्योति प्रकाश तिवारी जी के नाती हैं व प्रतिष्ठित वरिष्ठ अधिवक्ता नरेन्द्र तिवारी जी के पुत्र हैं, जिन्होने गृह निर्माण मंडल रीवा को अपनी सक्रिय एवं दायित्वपूर्ण पदीय सेवा उपलब्ध कराते हुए दृढ़ इच्छा शाक्ति लगन व कड़ी मेहनत से उक्त सफलता अर्जित की हैं। विवेक तिवारी शुरू से ही होनहार एवं मेधावी विधार्थी रहे हैं, विवेक का मानना है कि व्यक्ति को मन से कभी हार नही माननी चाहिए, उद्देश्यपूर्ण किया गया संघर्ष सुखद परिणाम देता है, विवेक तिवारी ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने दादा-दादी, माता-पिता, परिजनों, गुरूजनों एवं मित्रों को दिया हैं, विवेक तिवारी का कहना है कि माँ श्रीमती माया तिवारी द्वारा की गई त्याग व सम्पर्ण युक्त परवरिश और पिता श्री नरेन्द्र तिवारी जैसे दिये गये संस्कार व कुशल मार्गदर्शन के बल पर जीवन की बड़ी से बड़ी परीक्षा उत्तीर्ण की जा सकती हैं। विवेक के दो छोटे भाई भी हैं जिनमें विकास तिवारी यूपीएससी की तेयारी कर रहे हैं एवं विनीत तिवारी एम.बी.बी.एस. की पढ़ाई कर रहा हैं। विवेक तिवारी की इस सफलता पर उनके परिजनों, रिश्तेदारों, गृह निर्माण मंडल रीवा के शुभ चिंतकों, अधिकारियों, एवं मित्रों के साथ-साथ अधिवक्तागण राजेन्द्र तिवारी, ''राजू'', अरूण द्विवेदी, अशोक तिवारी, दिनेश मिश्रा, शशिकुमार पाण्डेय, अरूण तिवारी, सुनील मिश्रा, मंजूर अहमद, आनंद पाण्डेय, बालमीक द्विवेदी, अर्चना श्रीवास्तव एवं पटवारी अवधेश वर्मा आदि ने बधाई दी हैं।

पूज्य राजा साहब का मनाया जन्मदिन

रीवा। भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन के तत्वाधान पर संस्थापक पूज्य राजा साहब की जन्मोत्सव पर जिला कार्यालय में कार्यक्रम रखा गया जिसमें मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष मध्य प्रदेश अजय चैधरी एवं प्रदेश संगठन सचिव रामपाल नामदेव की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। माननीय राजा चंद्रवंशी के जन्मदिवस पर श्री चैधरी ने बताया कि औषधि पौधे ग्राम स्तर पर लगाए जाएं ताकि यादगार रहे और फलदार छायादार एवं औषधि पौधों आरोपित करें इस विषय पर चर्चा की गई एवं प्रदेश संगठन सचिव रामपाल नामदेव ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए दिशा निर्देश दिए गए। जिला अध्यक्ष मोहित मिश्रा द्वारा यह बताया गया है कि यह कार्यक्रम हमारे लिए बहुत ही यादगार रहेगा और हर जन्म दिवस पर पर्यावरण को रक्षा सुरक्षा के लिए काम करने का प्रयास रहना होगा जिसमें उपस्थित जिला प्रभारी लवकुश गुप्ता, रामपति नामदेव, डॉ. एस.पी मिश्रा, अनुराग भल्ला, डॉ दीपांकर सोनी, हनी उप्पल, एन एल राठी, संतोष गुप्ता, राजीव गुप्ता,मोहम्मद लालू ,अनीश, मोहसिन, धर्मेंद्र श्रीवास्तव एवं अन्य सदस्यों में पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शहर में अतिक्रमण का कार्य निरंतर जारी

रीवा। निगमायुक्त संस्कृति जैन के निर्देशानुसार शहर में हो.रहे अतिक्रमण पर अधिकारियो एवं कर्मचारियों द्वारा कार्यवाही की जा रही है। नगर निगम क्षेत्रांतर्गत स्टेडियम के सामने से दुकानदारो द्वारा लगातार गोमती रखने की शिकायत आ रही थी, जिसे आज पुलिस प्रशासन के सहयोग से नगर निगम अतिक्रमण प्रभारी श्री सुखेंद्र चतुर्वेदी एवं श्री ज्ञानेंद्र द्विवेदी की संयुक्त टीम द्वारा मिलकर स्टेडियम तिराहा से लेकर नीम चौराहा तक की गोमतियों को हटाने की कार्यवाही की गई। साथ ही शहर के प्रमुख मार्गो से अस्थाई अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही एवं फल, ठेला दुकानदारो को व्यवस्थित कराये जाने की कार्यवाही की गई।

सेंट्रल एकेडमी इंटरनेशनल स्कूल में कैरियर काउंसिल एवं वार्षिक खेल पुरस्कार वितरण समारोह

एडीजीपी डी .सी. सागर के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ

जनसुनवाई, नशा मुक्ति, यातायात एवं दगना कुप्रथा के प्रति किया गया जागरूक

व्यौहारी। सेंट्रल एकेडमी पैरंट प्राइड स्कूल देवलोंद में शहडोल जोन के एडीजीपी डीसी सागर के मुख्य आतिथ्य मे सेंट्रल एकेडमी इंटरनेशनल स्कूल का वार्षिक खेल पुरस्कार वितरण और कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम हर्षोल्लाह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर एडीजीपी सागर ने जनसुनवाई कर लोगों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया और यातायात, नशाखोरी और दगना कुप्रथा के प्रति नागरिकों एवं छात्रों को जागरूक किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार एवं संस्कृतिकर्मी संतोष कुमार द्विवेदी एवं संस्थान के प्रबंध संचालक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि मिश्रा सहित व्यौहारी ,देवलोंद एवं बुड़वा के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। छात्रों के साथ दोस्ताना संवाद निर्मित कर एडीजीपी श्री सागर ने कैरियर को लेकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधानकारक जवाब दिया। कक्षा छठवीं से बारहवीं तक के छात्रों ने श्री सागर से अपने लक्ष्य हासिल करने के उपाय पूछे। श्री सागर ने उन्हें आसान टिप्स दिए। आपने कहा कि छात्र अपने रहन-सहन और खान पान को दुरुस्त रखें। जल्दी सोए जल्दी उठें और अपना बेसिक कोर्स अच्छे से पढ़े। ठोस बुनियाद पर ही भविष्य की इमारत खड़ी हो सकती है। छात्रों को चाहिए कि वे अपना लक्ष्य सभी से निर्धारित करें और कक्षा की पढ़ाई के साथ साथ उसकी तैयारी भी जारी रखें। अखबार पढ़े, नोट्स बनाएं और लिखकर रिवीजन करें। यदि वह नियमित अखबार पढ़ेंगे तो उनको जनरल नॉलेज की किताबें रटने की जरूरत नहीं पड़ेगी। बच्चों एवं नागरिकों की हौसलाआफजाई के लिए उन्होंने प्रेरक कविताएं सुनाईं। छात्रों ने श्री सागर से उनकी फिटनेस और सफलता के सूत्र भी जाने।

यातायात, नशा मुक्ति एवं दगना प्रथा के प्रति किया गया जागरूकः एडीजीपी डी. सी. सागर ने छात्रों एवं नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने, नशे से खुद भी एवं बच्चों को भी दूर रखने और दगना की कुप्रथा को जड़ से समाप्त करने के लिए जागरूक किया। आपने कहा कि इतनी सी सावधानी करके हम अपने जान माल की हिफाजत और बहुत सारी सामाजिक समस्याओं का स्वयमेव हल निकाल सकते हैं।

खेल मैदान का किया निरीक्षणः एडीजीपी डीसी सागर ने देवलोंद के खेल मैदान का निरीक्षण कर फुटबॉल खिलाड़ियों की समस्याओं का मौके पर ही निदान किया। उल्लेखनीय कि खिलाड़ियों ने एडीजीपी से शिकायत की थी कि शराबी रात को खेल मैदान में बैठकर शराबखोरी करते हैं और बोतले मैदान में ही फोड़ कर चले जाते हैं। खिलाड़ी रोज खेलने के पहले कांच के टुकड़े बिनते - हटाते हैं, ताकि कोई खिलाड़ी घायल ना हो, फिर भी कोई ना कोई चोटिल हो ही जाता है। श्री सागर ने मौका देखने के बाद स्थानीय पुलिस को गस्त बढ़ाने और खेल मैदान को नशेड़ियों से मुक्त करने के निर्देश दिए। एडीजीपी के साथ एसडीओपी रवि प्रकाश ,बाणसागर थाना प्रभारी एवं अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल थे। कार्यक्रम में प्रेमदास द्विवेदी ,शेषमणि तिवारी ,जवाहरलाल पांडे ,श्रीकांत पांडे ,विनती राय ,उमेश गुप्ता ,रमेश शुक्ला ,रामजी गौतम,आर. बी. पांडे, अवधेश बाजपेई, उमेश शुक्ला, अशोक तिवारी, अलंकृता बाजपेई, विजय मिश्रा, राजीव शुक्ला, रामजी गौतम, शैली मिश्रा, सिद्धार्थ अग्निहोत्री, धीरेंद्र सिंह, विकास त्रिपाठी, वीरेश मिश्रा, विकास रजक, दीपेश पांडे, रवि गुप्ता, प्रतिभा श्रीवास्तव, नीलम पांडे, ऋतुपाल, आदि प्रमुख लोग शामिल हुए। संस्थान के प्रबंध संचालक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि मिश्रा ने आभार व्यक्त करते हुए कविता की पंक्तियों के साथ अपनी भावना व्यक्त की। कार्यक्रम का संचालन सुश्री संगीता माथुर ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के स्टाफ और सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

लीनेस क्लब बुढार का शपथ ग्रहण संपन्न

सामाजिक कार्यों के साथ पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

धनपुरी।

लीनेस क्लब बुढार का शपथ ग्रहण हर्षोल्लास से विधिवत संपन्न हुआ।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रतिष्ठित डा. आशा जैन ने क्लब के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि क्लब के सदस्य सदैव पीड़ित और जरूरतमंदों की सेवा एवं सहायता के लिए तैयार रहते हैं। कार्यक्रम की मास्टर ऑफ सेरेमनी लीनेस स्नेहलता गुप्ता ने शानदार मंच संचालन किया। सुर एवं लय से सरस्वती वंदना लीनेस डा.नागमणि मानिकपुरी ने प्रस्तुत की। ध्वज वंदना लीनेस आरती खनूजा ने ,सुंदर स्वागत गीत बिंदा भगत एवं लीनेस अंजना जैन ने और मुख्य अतिथि जीवन परिचय लीनेस प्रतिमा जैन ने प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की शपथ अधिकारी लीनेस डा. आशा अग्रवाल ने

अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों को उनके दायित्व एवं कर्तव्यों को समझाया और कार्यकारिणी में अध्यक्ष लीनेस अर्चना ओझा,प्रथम उपाध्यक्ष मोनिका अग्रवाल, द्वितीय उपाध्यक्ष नागमणि मानिकपुरी, तृतीय उपाध्यक्ष बिंदा भगत,सचिव अंजू दुआ, सह सचिव अंजू अग्रवाल,कोषाध्यक्ष शैला गुप्ता जी, सह कोषाध्यक्ष श्यामा गुप्ता,टेमर आरती खनूजा, टेल ट्विस्टर सरिता ताम्रकार, पी. आर . ओ ज्योति सिंह बघेल,संचालक मंडल डा.आशा अग्रवाल,साधना अग्रवाल,रजनी जैन,अंजना जैन,डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन स्नेहलता गुप्ता,ज्योति खनूजा, प्रतिमा जैन, दिव्या रूचंदानी, सदस्य आरती खंडेलवाल, मीनू गुप्ता,अंजली मिश्रा ने शपथ ली।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष अर्चना ओझा ने कहा हम डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट के कार्यक्रमों को प्राथमिकता देंगे और पर्यावरण संरक्षण एवं स्वास्थ्य संबंधित सेवाओं पर विशेष ध्यान देंगे।कार्यक्रम में तुलसी का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण जागरूकता संदेश दिया गया और सभी अतिथियों को पौधे भेंट किए गए। आभार प्रदर्शन लीनेस अंजू दुआ द्वारा किया गया। कार्यक्रम के समापन के बाद सभी बहनों ने साथ में भोजन का आनंद लिया।

कलेक्टर ने त्योंथर में धान खरीदी केन्द्रों का किया निरीक्षण

फीडिंग कार्य में गति लाने तथा केन्द्र से धान का उठाव शीघ्र करने के दिये निर्देश

रीवा !

कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने त्योंथर क्षेत्र के भ्रमण के दौरान धान खरीदी केन्द्र सेवा सहकारी समिति सोहागी का निरीक्षण किया तथा उपार्जित धान की तौलाई एवं परिवहन के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने उपस्थित किसानों से उपार्जन केन्द्र में व्यवस्थाओं व खरीदी के बारे में पूंछताछ की। कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिये कि उपार्जित धान का कम्प्यूटर में फीडिंग कार्य विक्रता से करायें ताकि किसान को केन्द्र में रूकना न पड़े उन्होंने उपार्जित धान को शीघ्रता से परिवहन करने के निर्देश नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक को दिये।

कलेक्टर ने त्योंथर तहसील अन्तर्गत उपार्जन केन्द्रों में धान उपार्जन तथा परिवहन एवं भुगतान की समीक्षा की तथा अधिकारियों को निर्देश दिये कि एसडीएम के साथ अन्य अधिकारी सभी केन्द्रों का तत्काल भ्रमण कर खरीदी गई धान तथा उपार्जित धान का आकलन कर केन्द्र से तत्काल धान का परिवहन किये जाने की व्यवस्था करायें।

कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने त्योंथर में 43 करोड़ 27 लाख रूपये की लागत से बनाएं जा रहे। सीएम राईज स्कूल भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिये कि मार्च 2025 से पूर्व पूरी गुणवत्ता के साथ सीएम राईज स्कूल का निर्माण हो जाय। उन्होंने कहा कि शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ बच्चों के सर्वांगीण विकास में होगा तथा उन्हें अनुभवी व प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा उच्च स्तरीय शिक्षा ग्रहण करने का भी अवसर मिलेगा। उन्होंने जी प्लस श्री माडल में बनाये जा रहे सीएम राईज भवन की ड्राइंग डिजाइन का अवलोकन किया तथा निर्माण एजेंसी को सतत कार्य को आगे बढ़ाने के निर्देश दिये। उल्लेखनीय है कि रीवा एवं मऊगंज जिले में 12 सीएम राईज स्कूल की स्वीकृति प्राप्त हुई है जिसमें से 10 का कार्य प्रारंभ हो चुका है। कलेक्टर ने तहसील कार्यालय त्योंथर का भी भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. सौरभ सोनवणे, एसडीएम पीके पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर रामनिवास सिकरवार, कार्यपालन यंत्री पीआईयू केके तिवारी सहित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कागज में चल रहा जिले के नईगढ़ी का मृदा परीक्षण केंद्र

मऊगंज। जिले में एक ऐसा भी कार्यालय नईगढ़ी मुख्यालय स्तर पर देखने को मिला जहां पूरे 12 माह ताले लटकते हैं। विभाग की अनदेखी के कारण वर्षों बाद भी एक भी किसान के खेत की मिट्टी का परीक्षण नहीं हो सका।गौरतलब है कि किसानों के बेहतरी करण के लिए खेत में अच्छी उपज हो, खेत में अच्छी उपज तभी संभव है जब मिट्टी का परीक्षण हो, जिसके लिए शासन स्तर पर नईगढ़ी तहसील मुख्यालय स्तर पर लाखों रुपए खर्च कर शासन द्वारा मृदा परीक्षण कार्यालय का विशालकाय भवन निर्मित कराया गया। लेकिन 5 वर्ष से भी अधिक समय से भवन तो बनकर तैयार है पर इतनी बड़ी सर्व सुविधा युक्त विशालकाय बिल्डिंग में मृदा परीक्षण केंद्र कार्यालय मिट्टी परीक्षण के लिए खुलना तो दूर वर्ष में पूरे 365 दिन ताले ही लटके रहते हैं। आलम यह है कि क्षेत्र के किसानों को किसी भी प्रकार का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जमीनी हकीकत है कि प्रशासनिक अनदेखी के चलते जिले के नईगढ़ी स्थित मृदा परीक्षण केंद्र में एक भी कर्मचारी की पदस्थापना नहीं की गई। शासन की योजना अनुसार अन्नदाताओं के खेत की मिट्टी का परीक्षण न होने से मिट्टी के मांग अनुसार भूमि को उर्वरा शक्ति न मिल पाने के कारण किसानों को खेती बेहतर उपज नहीं मिल पा रही है जो वास्तव में शासन की मंशा है। हालात इतने खराब है कि क्षेत्र के किसानों की समस्या की ओर न तो जिम्मेदार विभाग का ध्यान गया और न ही शासन एवं प्रशासन का। इसी अनदेखी के कारण आज नईगढ़ी का मृदा परीक्षण केंद्र कार्यालय का विशालकाय भवन रखरखाव के अभाव में जहां धीरे धीरे जर्जर होने लगा है वही किसानों के मूल व्यवसाय की अनदेखी की जा रही है। और इसी अनदेखी के कारण आज हालात कुछ इस कदर पहुंच गए हैं कि कहने के लिए तो नईगढ़ी तहसील मुख्यालय स्तर पर मृदा परीक्षण केंद्र खुला हुआ है लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि युक्त मिट्टी परीक्षण केंद्र महज विभाग के कागजों में ही खुल कर रह गया है।किसानों के साथ विभाग कर रहा धोखाः-मध्यप्रदेश शासन एवं कृषि कल्याण विभाग की योजना अनुसार हर

वर्ष हर विकास खंड क्षेत्र के किसानों की अलग-अलग क्षेत्र की मिट्टी का परीक्षण कर यह निहित किया जाना है कि वास्तव में किसानों की बोनी वाली जमीन को कितनी मात्रा में कौन सी उर्वरा शक्ति देना है। लेकिन नईगढ़ी अंचल के किसानों के साथ विभाग द्वारा कुछ इस कदर धोखा दिया जा रहा है कि क्षेत्र का किसान आज तक न तो जान पाया और न ही समझ पाया कि युक्त विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी किन किसानों के खेत की मिट्टी परीक्षण हेतु ले जाते हैं या परीक्षण उपरांत किन किसानों को नियमानुसार सलाह देते हुए उतनी मात्रा में अपने खेतों में उर्वरा शक्ति डालने हेतु प्रेरित किया गया। एक तरफ जहां मिट्टी परीक्षण केंद्र नईगढ़ी में 12 माह ताला लटका होता है तो दूसरी तरफ विभाग के कर्मचारियों द्वारा वैधानिक रूप से मिट्टी परीक्षण हेतु प्रक्रिया न अपनाए जाने से किसानों को किसी भी प्रकार से लाभ न मिल पाने से क्षेत्र का किसान अपने आप को ठगा महसूस कर रहा है। वही ऐसे हालात में सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि नईगढ़ी मुख्यालय स्तर पर शासन द्वारा इतनी लागत लगाकर मृदा परीक्षण केंद्र का विशालकाय भवन तैयार कराया गया पर 5 वर्ष से भी अधिक समय गुजर जाने के बाद भी एक भी किसान के खेत की मिट्टी का परीक्षण नहीं हो सका।

ठंड ने किया जीना मुहाल, धीमी हुई जिंदगी की रफ्तार

सूर्यदेव के दर्शन को तरस रहे हैं जिलेवासी

ठिठुरन भरी सर्दी मे भी नगर पालिका का नही मिल रहा साथ

ठंड के बढ़ता प्रकोप ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। हाड़तोड़ ठंड का असर यूं तो सभी पर देखा जा रहा है, लेकिन गरीब तबके के लोग इससे ज्यादा प्रभावित नजर आ रहे हैं। जिंदगी की रफ्तार धीमी हो गई है। जनजीवन अस्त-व्यस्त है।

अनूपपुर।

मजदूरों के समक्ष रोटी की समस्या उत्पन्न हो गई है। तापमान में लगातार गिरावट आ रही है। पिछले चार दिनों से ठंड का कहर बदस्तूर जारी है। ठंड के कारण लोग शाम ढलते ही घरों में दुबक जा रहे हैं। कोहरे की परत भी गाढ़ी होते जा रही है। हालांकि दिन में कोहरे की परत तो नहीं रहती है, लेकिन रात को इसका नजारा हर दिन देखने को मिल रहा है। घने कोहरे के कारण फसलों को व्यापक नुकसान पहुंचने की आशंका बनी हुई है।

जिला सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्र कड़ाके की सर्दी और शीतलहर की चपेट में है। 4 दिनो से सूर्य देव के दर्शन ही नहीं हुए हैं। ठंडी हवा से लोग परेशान हैं। 4 दिनों से लगातार घना कोहरा छाया हुआ है वाहन चालको को सामने से आ रहे वाहन भी नजर नहीं आ रहे हैं लोग दोपहिया एवं चार पहिया वाहनों के लाइट जलाकर धीमी गति से चल रहे हैं। शीत लहर और कोहरे की वजह से सुबह 10 बजे के बाद किसी किसी दिन सूर्य देव के दर्शन हो पा रहे हैं जिसके कारण जिले भर में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मनुष्य तो ठीक सबसे ज्यादा परेशानी मूक पशुओं को हो रही है। हालात यह है कि सड़कों पर अधिकांश लोग को दिन में गर्म कपड़ों के साथ-साथ टोपी और मफलर बांधे हुए नजर आए। वर्तमान में पूरा प्रदेश भीषण ठंड का सामना कर रहा है। ठंड का पूरे जिले में यही हाल है लोग सर्दी से जूझते नजर आ रहे हैं। लोग जल्द से जल्द सूर्य देव के दर्शन करने की प्रार्थना कर रहे हैं जिससे धूप निकले और ठंड से कुछ हद तक राहत मिल सके, लेकिन मौसम विभाग के अनुसार हाल फिलहाल ऐसा होने के आसार नहीं है आने वाले कुछ दिनों तक धूप निकलना तो दूर ठंड से भी राहत नहीं मिलेगी वही कोहरा भी सताता रहेगा।

ले रहे अलाव का सहारा

लोग ठंड से बचने के लिए आग का सहारा ले रहे हैं यूं कहें तो नगर पालिका के द्वारा अलाव की व्यवस्था की जा रही है लेकिन नगर पालिका के द्वारा जो लकड़ियां दी जाती हैं वह गिनती के रहते हैं एवं गीले भी रहते हैं जिसके कारण देर तक अलाव नहीं जल पा रहा है वही लकड़ियां सही ढंग से न मिलने के कारण लोग कचरा जलाकर आग तापते नजर आ रहे हैं। 4 दिन से घना कोहरा होने के कारण धूप भी 10 बजे के बाद निकल रही है जबकि नगर पालिका प्रशासन को नगर में सुबह से ही मुख्य जगहों पर अलाव की व्यवस्था करवानी चाहिए। लोग खुद से ही लकड़ियों की व्यवस्था एवं जहां लकड़ियां नहीं मिल पा रही हैं कचरा जलाकर अलाव जला रहे हैं कि ठंड से कुछ राहत मिल सके।

स्कूलों का बदला समय, अब अवकाश की मांग

जिले में शीतलहर के प्रभाव से तापमान में लगातार आई गिरावट शीतलहर एवं कोहरे के कारण जिले में संचालित समस्त शासकीय अशासकीय विद्यालयों के समय में परिवर्तन किया गया है। अब सुबह दस बजे से स्कूल संचालित करने का आदेश जारी किया गया है लेकिन वर्तमान में पड़ रही कड़ाके की ठंड को देखते हुए अभिभावकों ने कक्षा एक से पांचवी तक के विद्यालयों में छुट्टी करने की मांग की है। वर्तमान में चल रही शीतलहर एवं कड़ाके की ठंड के कारण छोटे-छोटे बच्चों को विद्यालय भेजने में परेशानी हो रही है। अभिभावकों को यह अंदेशा सता रहा है कि कहीं कोई बच्चा ठंड की चपेट में आकर बीमार न पड़ जाए अभिभावकों ने कलेक्टर से मांग की है की कक्षा एक से पांचवीं तक अवकाश घोषित किया जाये। धूप न निकलने से लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। खासकर बीमार व शिशुओं के स्वास्थ्य में गिरावट दर्ज हो रही है। अस्पताल में ठंड के चलते मर्ज लेकर मरीज पहुंच रहे है। दोपहर 1:30 के बाद धूप निकलने से कुछ राहत महसूस की गई वही सुबह से ही घना कोहरा एवं शीत लहर चलने के कारण लोग ठंड से बचने के लिए आग का सहारा लेते नजर आए।

पचरीपानी के निवासियों को मिल सकेगी आवागवन की सुविधा

अनूपपुर। जिला मुख्यालय अनूपपुर से 12 किमी दूर स्थित ग्राम पंचायत लखनपुर के बैगा बाहुल्य पचरीपानी टोला में बैगा समाज के ग्रामीण जो लगभग 80 वर्ष पूर्व से चारों ओर से घिरे वनक्षेत्र में रहकर जीवन यापन कर रहे हैं जहां तक पहुंचने के लिए वर्तमान समय तक पक्का मार्ग एवं नाला में पुल न होने के कारण वर्षा काल एवं कई वर्षों से असमय हो रही अत्यधिक वर्षा के चलते आवागवन नहीं कर पा रहे हैं। इस गांव में कई वर्षों से संचालित प्राथमिक विद्यालय के साथ मार्ग न होने के कारण वर्षा काल में भी स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था एक वर्ष के मध्य दो बार उल्टी दस्त, हैजा के फैलने पर मरीजों को लाने के लिए बड़े मुश्किल से गांव के पास तक एम्बुलेंस जा सकी थी वही बैगा समाज के कुछ बच्चे जो पड़ोस के गांव लखनपुर, अगरियानार के साथ अनूपपुर में अध्यापन करने वर्षाकाल के दौरान पैदल नहीं जा पाते रहे हैं। इस संबंध में लगभग तीन पंचवर्षीय कार्यकाल के सरपंच गणों, ग्रामीणों द्वारा निरंतर 20 वर्षों से लखनपुर से पचरीपानी तक पांच किमी लम्बे मार्ग का निर्माण एवं मार्ग के मध्य पड़ रहे दो नाले में पुल के निर्माण की मांग जिला प्रशासन, जिले के जनप्रतिनिधियों से करते चले आ रहे हैं वनक्षेत्र के मध्य बसे इस गांव में सरकार की तमाम योजनाओं के बाद भी वनविभाग एवं पंचायत विभाग के आपसी सामंजस्य ना होने के कारण लंबित पड़ा रहा, जिसको देखते हुए जनप्रतिनिधियों के पत्राचार के साथ विगत दिनों अनूपपुर जिला मुख्यालय के वन्यजीव संरक्षक एवं सामाजिक कार्यकर्ता शशिधर अग्रवाल ने पचरीपानी की इस

महत्वपूर्ण समस्या से अवगत होते हुये समाचारों के प्रकाशन के साथ अनूपपुर कलेक्टर आशीष वशिष्ठ को स्थिति से अवगत कराते हुए वनविभाग एवं ग्रामीण विकास विभाग के मध्य समन्वय बनाकर मार्ग का सर्वेक्षण कराते हुए मार्ग निर्माण की चर्चा कर दस्तावेज प्रस्तुत किए जाने पर कलेक्टर आशीष वशिष्ठ द्वारा समस्या को गंभीरता से लेते हुए निराकरण किये जाने हेतु अपने टाईम लिमिट कार्यक्रम में सम्मिलित कर सप्ताह में प्रत्येक सोमवार को समीक्षा करना प्रारंभ किया जिस पर कलेक्टर के निर्देशानुसार 9 जनवरी को अनूपपुर के प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी वन अनूपपुर बादशाह रावत, जनपद पंचायत जैतहरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बीएम मिश्रा, ग्राम पंचायत लखनपुर सरपंच रामकुमार कोल, सचिव श्रीमती रामलली पटेल एवं ग्रामीणों के साथ वनक्षेत्र का भ्रमण कर निरीक्षण करते हुए शीघ्र अग्रिम कार्यवाही का आश्वासन दिया इसके बाद बैगा बाहुल्य पचरीपानी के बैगाओं को जल्द ही आवागमन की सुविधा मार्ग के निर्माण पर मिल पाने की संभावना बन गई है।

पुरानी पेंशन योजना की बहाली को लेकर रेलवे मजदूर कांग्रेस ने किया भूख हड़ताल

अनूपपुर।

अनूपपुर साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस शाखा अनूपपुर द्वारा 9 जनवरी को रेलवे स्टेशन अनूपपुर के सामने ओल्ड पेंशन स्कीम की तत्काल बहाली करने को लेकर एक दिवसीय भूख हड़ताल सुबह 10 बजे से 3 बजे तक आयोजित किया गया। भूख हड़ताल में स्थानीय रेल कर्मचारी एवं शाखा के पदाधिकारी शामिल हुए साथ ही नए रेल कर्मचारी हड़ताल स्थल पर पहुंचकर अपना अपना नैतिक समर्थन रेलवे मजदूर कांग्रेस के आंदोलन में प्रदान किया। रेलवे मजदूर कांग्रेस शाखा अनूपपुर के शाखा सचिव रामदास राठौर ने बताया नई पेंशन स्कीम जो वर्तमान में चल रही है उसके विरोध में उसे हटाकर, पुरानी पेंशन को बहाल करने की मांग को लेकर एन एफआईआर नई दिल्ली राष्ट्रीय अध्यक्ष गुमान सिंह राष्ट्रीय महामंत्री डॉक्टर एम राघवैया के आह्वान पर एवं रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर

जोन के अध्यक्ष तपन चटर्जी के निर्देश पर व मंडल समन्वय बिलासपुर बी कृष्ण कुमार एवं लक्ष्मण राव के मार्गदर्शन में बिलासपुर अनूपपुर मनेंद्रगढ़ में एक दिवसीय भूख हड़ताल आयोजित किया गया। आज 10 जनवरी को शहडोल, उमरिया, पेंड्रा रोड, रायगढ़ में ओल्ड पेंशन के समर्थन में भूख हड़ताल किया जाएगा, रेलवे मजदूर कांग्रेस इस भूख हड़ताल के माध्यम से नई पेंशन स्कीम वापस लेने और पुरानी पेंशन स्कीम को बहाल करने के लिए एनएफआईआर के निर्देश के तहत पूरे भारतीय रेल में 8 जनवरी से लेकर 11 जनवरी तक भूख हड़ताल धरना प्रदर्शन कर केंद्र सरकार से तत्काल ओल्ड पेंशन स्कीम की बहाली की मांग कर रही है। पूरे भारतीय रेल में रेल कर्मचारियों का इस भूख हड़ताल में व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ। मजदूर कांग्रेस के भूख हड़ताल में अनूपपुर के रेल कर्मचारी पदाधिकारी ने अपना नैतिक समर्थन दिया जिसमें प्रमुख रूप से शाखा सचिव रामदास राठौर, कोषाध्यक्ष जयंतो दास गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष विवेक कुमार राय, उपाध्यक्ष सदाशिव पांडे, सहायक सचिव संजीव राव, सक्रिय कार्यकर्ता एस.सी.कोरी, रामबली, अशोक कुमार, राकेश कोल, के.वी.आर. मूर्ति, थान सिंह, मदन दत्त, कुमारी मौमिता मजूमदार, कुमारी नेहा गुर्जर, अंकित कुमार, पंचम सिंह, पप्पू कुमार आदि उपस्थित रहे।

वर्षों से संलग्न शिक्षकों को विद्यालयों में भेजने के निर्देश

संलग्नीकरण के कारण पढ़ाई व्यवस्था हो रही चौपट

अनूपपुर।

मध्यप्रदेश कोल जनजाति प्राधिकरण अध्यक्ष रामलाल रौतेल ने जनपद पंचायत जैतहरी अंतर्गत ग्राम पंचायत लखनपुर के पचरीपानी,लखनपुर एवं अगरियानार में संचालित प्राथमिक,माध्यमिक विद्यालय विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों का भ्रमण कर निरीक्षण करते हुए अध्यनरत छात्र-छात्राओं से अध्यापन कार्य के संबंध में चर्चा की। उन्होने बच्चों को पूरे लगन से अध्यापन कार्य करने की बात कही। इस दौरान ग्राम पंचायत लखनपुर सरपंच रामकुमार कोल द्वारा प्राथमिक विद्यालय लखनपुर में पदस्थ गंगा प्रसाद रौतेल एवं धर्मेंद्र प्रसाद शाक्यवार, माध्यमिक विद्यालय अगरियानार में पदस्थ विज्ञान शिक्षक राजकुमार सिंह के विगत कई वर्षों से जिला मुख्यालय अनूपपुर स्थित एसडीएम एवं कलेक्टर कार्यालय में सलंग्न होने के कारण विषय विशेषज्ञ विज्ञान संकाय के शिक्षक के अभाव में दोनों स्थानों के छात्र -छात्राओं को गणित,विज्ञान जैसे विषयों का गहन तौर पर अध्यापन कार्य प्रभावित हो रहा है। प्राथमिक विद्यालय लखनपुर में पदस्थ गंगा प्रसाद रौतेल जो विगत 8 वर्ष से अधिक समय से एसडीएम कार्यालय अनूपपुर में सलग्न होने के कारण प्राथमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं की संख्या को देखते हुए शिक्षकों की कमी होने माध्यमिक विद्यालय लखनपुर एवं प्राथमिक विद्यालय अगरियानार के एक-एक शिक्षक निरन्तर बीएलओ का कार्य देखने के कारण अध्यापन कार्य प्रभावित होने पर रौतेल से वर्षों से संलग्न शिक्षकों का सलग्नीकरण समाप्त करते हुए मूल पद स्थापना स्थल पर वापस भेजे जाने हेतु पत्र लिखा है। सरपंच ने बताया कि पूर्व में भी जिला प्रशासन को पत्र लेख कर शिक्षकों को वापस किए जाने की अपेक्षा की गई किंतु वर्तमान समय तक संलग्न शिक्षक वापस नहीं आ सके हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रौतेल ने कलेक्टर को पत्र लिखकर संलग्नीकरण समाप्त करते हुए शिक्षकों को विद्यालय में वापस किए जाने की बात कही है।

भगवान राम पर सरकार की राजनीति घातक

धर्माचार्यों, संतों की उपेक्षा बर्दाश्त नहीं - श्रीधर शर्मा

अमरकंटक। जिले की पावन धरती अमरकंटक निवासी परम धर्म सांसद शहडोल श्रीधर शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी के सनातन प्रेम को मिथ्या बताया है और भारतीय जनता पार्टी के द्वारा भगवान राम के मंदिर के उद्घाटन एवं भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा में की जा रही संतों की उपेक्षा की कड़ी निन्दा की है और इस पुनीत कार्य में की जा रही राजनीति को कूटनीतिक राजनीति बताया है। श्री शर्मा ने बताया कि भगवान राम के पावन धाम अयोध्या में राम जन्मभूमि की प्रारंभिक लड़ाई व अयोध्या में राम मंदिर की स्थापना को लेकर प्रारंभिक मुद्दे की शुरूआत परम पूज्य गुरूदेव करपात्री महराज के द्वारा की गई थी और उसके उपरांत उनके शिष्य ब्रम्हलीन शंकराचार्य द्वारिका पीठाधीश्वर व ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य परम पूज्य स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती के द्वारा लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी गई और स्वामी के ब्रम्हलीन होने के पश्चात वर्तमान ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती बतौर गवाह न्यायालय में प्रस्तुत हुए और अन्तत माननीय न्यायालय ने देश के करोड़ों सनातनियों के लिए सुखद साबित होने वाला फैसला सुनाकर अयोध्या में राम जन्मभूमि होना और अयोध्या में भगवान राम के मंदिर निर्माण कराए जाने को लेकर ऐतिहासिक फैसला सुनाकर अयोध्या में भगवान राम के मंदिर निर्माण की नींव रखी। श्री शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी की भगवद

भक्ति को दिखावा बताते हुए कहा कि भगवान राम की जन्मभूमि अयोध्या में भगवान राम की भव्य मंदिर निर्माण का सौभाग्य भारतीय जनता पार्टी की सरकार में प्रारम्भ हुआ, जो भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक उपलब्धि है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर इतनी उतावली क्यों है, यह समझ से परे है। एक ओर भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार सनातन धर्म और संस्कृति का नाम लेकर समूचे देश में सनातन धर्म के प्रचार प्रसार का ढिंढोरा पीटने का कार्य कर रही है और दूसरी ओर सनातन की नींव कहे जाने वाले चारों पीठों के शंकराचार्यों की उपेक्षा कर देश के इस ऐतिहासिक सनातनी यज्ञ में सनातनी लड़ाई का शुभारम्भ करने वाले वास्तविक संतों की आहुति देने पर आमादा हैं।

बरबसपुर गांव में तेंदुआ ने किया बकरी का शिकार

एक माह में कई पालतू मवेशियों को बनाया अपना आहार, ग्रामीण दहशत में

अनूपपुर। जिला मुख्यालय अनूपपुर के नजदीक बरबसपुर गांव से लगे जंगल में विगत एक माह से हिंसक वन्यप्राणी तेंदुआ निरंतर विचरण कर रहा है जो एक माह के मध्य अनेकों पालतू मवेशियों को अपना शिकार बन चुका है। शिकार किए गए कई बकरा-बकरियों का शव पशु मालिकों को प्राप्त न होने से वन विभाग द्वारा पशुहानि प्रकरण नहीं बना सके जबकि 30 दिसंबर को एक चार वर्ष के नाटा को जो अन्य मवेशियों के साथ चर

रहा था जिस पर अचानक हमला कर घसीट कर जंगल के अंदर ले जाकर एक पेड़ में टांग दिया वही 9 जनवरी की शाम बरबसपुर गांव के वार्ड नंबर 2 निवासी राममिलन पिता स्व. छोटेलाल महरा जो अपने 15-20 मवेशियों जिसमे गाय-बैल के साथ बकरा-बकरी पड़ोसी दउआ राठौर के साथ फुटहाबांध के पास जगतसिंह के बगार भूमि में चरा रहे थे तभी अचानक लेन्टाना की झाड़ियो में घात लगाए बैठे तेंदुआ ने राममिलन के एक एक वर्ष उम्र की बकरी को पकडकर-झपटकर गर्दन में काट दिया हो-हल्ला करने पर तेंदुआ बकरी को तड़पता छोड़ जंगल की अंदर चला गया। घायल बकरी को पशु मालिक उपचार करने के लिए घर लाता तभी रास्ते में बकरी की मौत हो जाने पर देर शाम वन विभाग के वनरक्षक एवं पशु चिकित्सक को अवगत कराये जाने पर पंचनामा एवं पीएम की कार्यवाही की गई। तेंदुआ आज भी बरबसपुर गांव से लगे जंगल में विचरण कर रहा है जिससे ग्रामीणों में दहशत की स्थिति निर्मित है। यह तेंदुआ ग्रामीण चरवाहों को दौडाने एवं डराने का प्रयास भी करता है।

खबर संक्षेप

स्मार्ट क्लास सह लाईब्रेरी का कलेक्टर एवं जिपं सीईओ ने लिया जायजा

अनूपपुर। नगर परिषद जैतहरी द्वारा स्थानीय युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने के लिए नवाचार के तौर पर प्रारंभ किए गए डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम स्मार्ट क्लास सह लाईब्रेरी का कलेक्टर आशीष वशिष्ठ तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने अवलोकन किया। नगर परिषद जैतहरी के अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता ने स्मार्ट क्लास सह लाईब्रेरी के संबंध में जानकारी दी। स्मार्ट क्लास सह लाईब्रेरी में उपस्थित छात्र-छात्राओं से स्मार्ट क्लास की पढ़ाई के संबंध में जानकारी ली तथा बच्चों को मन लगाकर परीक्षा की तैयारी के लिए प्रेरित किया।

ग्राम बर्री पहुंच कलेक्टर ने जन-मन सर्वेक्षण कार्य का लिया जायजा

अनूपपुर। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने ग्राम पंचायत बर्री में प्रधानमंत्री जन-मन योजना के सर्वे कार्य का निरीक्षण किया तथा प्रधानमंत्री जन-मन योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी स्टॉफ से ली। उन्होंने हितग्राहियों से भी चर्चा की। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री जन-मन योजना के अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा परिवारों के वंचित लोगों के आयुष्मान कार्ड और आधार कार्ड बनाए जाने के निर्देश दिए, ताकि इन्हें शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किया जा सके। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

चार साल से जेल में बंद बेटे को रिहा कराने के नाम पर ठगे तीन लाख 63 हजार

अनूपपुर। जिले के जैतहरी में ग्रामीणों से धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने किसान नेता राकेश टिकैत से पहचान बताकर तीन लाख 63 हजार रुपए ले लिए। ग्रामीणों ने दो जालसाजों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। आरोपियों ने जेल में बंद युवक को रिहा कराने के नाम पर रुपए लिए थे। कई दिनों तक ग्रामीण को चकमा देते रहे। इसके बाद फोन नंबर ब्लॉक कर दिया। ठगी का एहसास होने पर पीड़ति के द्वारा इसकी शिकायत जैतहरी थाने में दर्ज कराई है। इस पर पुलिस ने दोनों जालसाजों को गिरफ्तार किया है। जैतहरी थाना अंतर्गत ग्राम धनगवां निवासी शिकायतकर्ता संगीता शर्मा पिता गणेश शर्मा (60) ने बताया कि राजीव राय पिता गुरु प्रसाद राय (41) निवासी मलगा महिला के पति गणेश प्रसाद शर्मा के पास पहुंचे। उन्हें आश्वासन दिया कि वह न्यायालय के मजिस्ट्रेट का करीबी है। किसान नेता टिकैत का भी करीबी है। वह 5 लाख में गणेश प्रसाद शर्मा के बेटे बबलू उर्फ कन्हैया प्रसाद शर्मा की जमानत कराकर जेल से निकाल देगा। उनका बेटा चार साल से जबलपुर जेल में है। उसे केस में दोष मुक्त करा देगा। उसने 3 लाख 63 हजार रुपए अपने दोस्त राजेश कुमार दुबे पिता महावीर प्रसाद दुबे (32) निवासी मलगा के खाते में ले लिए। इसके पश्चात कई दिनों तक पीड़ति को वह काम होने का झांसा देते रहे तथा मोहलत मांगते रहे। जैतहरी थाना प्रभारी प्रकाश चंद्र कोल ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय प्रस्तुत किया वहां से जेल भेज दिया है।

खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भण्डारण के विरूद्ध हुई कार्यवाही

अनूपपुर। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भण्डारण पर प्रभावी रोकथाम हेतु कलेक्टर आशीष वशिष्ठ के निर्देशन में खनिज विभाग द्वारा 15 दिसम्बर 2023 से 08 जनवरी 2024 तक आकस्मिक क्षेत्र भ्रमण कर वाहनों की नियमित चेकिंग कर